दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, बुधवार 21 अप्रैल 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 200

महत्वपूर्ण एवं खास

पीएम मोदी ने टीका निर्माताओं के साथ वर्चुअल बैठक की

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी कोविड टीका निर्माताओं को न सिर्फ हर संभव सहायता मिले, बल्कि टीकों को मंजूरी देने जैसी वैज्ञानिक प्रक्रियाओं में भी सहयोग प्राप्त हो। मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के टीका निर्माताओं के साथ बातचीत की और उन्हें सरकार की ओर से सहयोग का पूरा भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि जिन टीकों के परीक्षण चल रहे हैं उन्हें स्वीकृति प्रदान करने की प्रक्रिया को तेज किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि टीकों के विकास और उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान देश ने लगातार सार्वजनिक-निजी भागीदारी की भावना से कार्य किया है और अनुकूल माहौल तैयार किया है। मोदी ने टीका निर्माताओं की उपलब्धियों और पेशेवर तरीके से कार्य करने के लिए सराहना की।

पीएम मोदी का रद्द हुआ पुर्तगाल दौरा

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना की दूसरी लहर से उपजे हालात के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-यूरोपीय यूनियन समिट में शामिल होने के लिए प्रस्तावित पुर्तगाल दौरे को रद्द कर दिया है तो फ्रांस जाने के कार्यक्रम में भी बदलाव हो सकता है। कोरोना महामारी शुरू होने के बाद पीएम मोदी हाल ही में बांग्लादेश का दौरा छोड़कर अन्य किसी देश नहीं गए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी 16वें भारत-ईयू समिट में शामिल होने के लिए 8 मई को पुर्तगाल जाने वाले थे। इसके बाद द्विपक्षीय दौरे पर पीएम का फ्रांस जाने का कार्यक्रम है। माना जा रहा है कि कोरोना के रिकॉर्ड केसों के बीच पीएम मोदी इस यात्रा को भी टाल सकते हैं। भारत में मंगलवार को कोरोना के 2.59 लाख नए केस आए, जबकि 1700 लोगों की मौत हुई। पिछले महीने से भारत में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बेहद तेज है। महाराष्ट्र, दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में पाबंदियां लागू हैं।

ऑक्सीजन लेने पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस मुंबई से विशाखापट्टनम रवाना

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई के तहत भारतीय रेलवे ने ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाने की तैयारी की है। मुंबई डिवीजन ने रातोंरात 24 घंटे के भीतर कलंबोली माल यार्ड पर फ्लैट वैगनों से/में टैंकरों की लोडिंग/अनलोडिंग की सुविधा के लिए एक रैंप तैयार किया है। 7 खाली टैंकरों के साथ रो-रो सेवा विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र के लिए कलंबोली माल यार्ड से रवाना हुई। यह ट्रेन वसई रोड, जलगांव, नागपुर, रायपुर जंक्शन से होकर पूर्व तट रेलवे क्षेत्र में विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र जाएगी, जहां तरल मेडिकल ऑक्सीजन लोड किया जाएगा। पिछले साल लॉकडाउन के दौरान भी रेलवे ने आवश्यक वस्तुओं को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया था और आपूर्ति श्रृंखला को बरकरार रखा था और आपात स्थिति में भी देश सेवा करना जारी रखा। यह गौर करने वाली बात है कि ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए विभिन्न राज्यों के अनुरोध पर रेल मंत्रालय ने तरल ऑक्सीजन के परिवहन की संभावनाएं तलाशीं और ट्रायल रन शुरू किया।

फिर एक दिन में 2.59 लाख से ज्यादा नये मरीज मिले, 1,761 की मौत, देश में अभी और बढ़ सकता है कोरोना का कहर

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर विकराल रूप धारण करती जा रही है। इस बेकाबू कोरोना वायरस के हर दिन नए मामले बढ़ रहे हैं और पिछले तीन दिन से ढाई लाखल से भी ज्यादा मरीद मिल रहे हैं। हालांकि मंगलवार को कोरोना के नए मरीजों की संख्या में सोमवार की तुलना में मामूली कमी आई है। मसलन मंगलवार को पिछले 24 घंटे में 2.59 लाख से ज्यादा नए कोरोना मरीज मिले हैं। वहीं इस दौरान 1,761 लोगों की संक्रमण से जान चली गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इससे एक दिन पहले यानी सोमवार को 2.74 लाख से नए कोरोना मरीज मिले थे और 1,619 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। देश में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिसके चलते कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में बेड, वेंटिलेटर, रेमडेसिविर और ऑक्सीजन की किल्लत जारी है। वहीं श्मशान घाटों पर शवों के अंतिम संस्कार के लिए कई घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है।

भारत में हो रहीं सबसे ज्यादा मौतें

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को आंकड़े के मुताबिक, देश में बीते 24 घंटों में 2,59,170 नए कोरोना मरीज सामने आए हैं, इसी के साथ देश में संक्रमित मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 1,53,21,089 हो गई है। वहीं बीते 24 घंटों में 1,761 लोगों ने कोरोना की वजह से दम तोड़ दिया, इसी के साथ कोविड से मरने वालों की संख्या 1,80,530 पहुंच गई। महामारी के दस्तक देने से लेकर अब तक एक दिन में मिले नए कोरोना मरीजों की यह सर्वाधिक संख्या है।

सक्रीय मरीजों में भारत दूसरे नंबर पर

स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में सक्रिय मामलों में लगातार बढ़ोतरी जारी है। पिछले 24 घंटों में 1,54,761 कोरोना मरीज स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए हैं, इसी के साथ देश में अब तक 1,31,08,582 मरीज कोरोना वायरस को मात देने में कामयाब हुए हैं। रोजाना के आधार पर दर्ज होने वाले नए कोरोना केसों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बेहद कम है। फिलहाल, देश में सक्रिय मामले बढ़कर 20,31,977 पहुंच गए हैं। सक्रिय मामलों की संख्या अमेरिका के बाद सबसे अधिक भारत में है।

अब तक 12.71 करोड़ लोगों का हुआ टीकाकरण

देश में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान जारी है। कोविड टीकाकरण का तीसरा चरण चल रहा है। इसके तहत 45 साल से ऊपर वालों को कोविड वैक्सीन लगाई जा रही है। देश में अब तक 12,71,29,113 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। बता दें कि 1 मई से 18 साल से ऊपर वालों को कोविड का टीका लगाया जाएगा।

10 राज्यों से 78.37 फीसदी नए मरीज

बता दें कि सोमवार को 78.37 फीसदी यानी 2.01 लाख से ज्यादा मरीजों की पहचान देश के 10 राज्यों में हुई। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 58,924 संक्रमित पाए गए। उत्तर प्रदेश में 28,211, दिल्ली में 23,686, कर्नाटक में 15,785, केरल में 13,644, छत्तीसगढ़ में 13,834, मध्यप्रदेश में 12,897, तमिलनाडु में 10,941, राजस्थान में 11,967, गुजरात में 11,403 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए।

26.94 करोड़ लोगों की हुई कोविड जांच

देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर की रफ्तार को देखते हुए कोरोना की जांच में तेजी लाई गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के मुताबिक, देश में सोमवार शाम तक 26,94,14,035 नमूनों की जांच की गई, जिनमें से 15,19,486 नमूनों की जांच कल यानी सोमवार को की गई।

अदालत ने सभी अंतरिम आदेशों की अवधि 16 जुलाई तक बढ़ाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों के कारण लागू प्रतिबंधों के मद्देनजर अपने और जिला अदालतों के उन अंतरिम आदेशों की अवधि 16 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी, जिनकी अवधि 19 अप्रैल या उसके बाद समाप्त होने वाली थी।

न्यायमूर्ति विपिन सांघी, न्यायमूर्ति रेखा पल्ली और न्यायमूर्ति तलवंत सिंह की पूर्ण पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने स्वयं और जिला अदालतों को केवल अत्यावश्यक मामलों की ही सुनवाई करने को कहा है और दिल्ली में 19 अप्रैल की रात को लागू कर्फ्यू के कारण वकील एवं वादी उन अदालतों में पेश नहीं हो पाएंगे, जिनमें अंतरिम आदेश पारित किए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि परिणामस्वरूप, 19 अप्रैल, 2021 से अंतरिम आदेशों की अवधि समाप्त होने लगेगी, ऐसे में ऐसे सभी आदेशों की अवधि 16 जुलाई तक बढ़ाई जाती है। अदालत ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया है।

उसने पिछले साल मार्च में लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान भी इसी प्रकार इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। पीठ ने मंगलवार को अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि उच्चतम न्यायालय इस मामले में कोई विपरीत आदेश नहीं देता है तो अंतरिम आदेश 16 जुलाई या इस संबंध में लागू आगामी आदेश तक लागू रहेंगे। उसने यह भी कहा कि यदि अंतरिम आदेश की अवधि आगे बढ़ाने से किसी पक्षकार को मुश्किलें पेश आती हैं, तो वे उचित राहत पा सकते हैं।

दवाई भी कड़ाई भी, देश को लॉकडाउन से बचाने में सभी करें मदद

» पीएम मोदी ने किया देश की जनता से आह्वान

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश में बढ़ते कोरोना वायरस के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार रात 8.45 बजे देश की जनता को संबोधित किया. उन्होंने फ्रंटलाइन वर्कर्स का आभार व्यक्त किया. इस मौके पर उन्होंने देश की जनता से वैक्सीन की बात की और कहा कि हमें जीवन बचाने के साथ ही आर्थिक गतिविधियां भी चालू रखनी हैं, इसमें वैक्सीन सबसे अहम भूमिका भी निभाएगी.

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बीते दिनो में अपनो को खोया है, मैं सभी देशवासियों की तरफ़ से उनके प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ. परिवार के एक सदस्य के रूप में, मैं आपके दुःख में शामिल हूं. चुनौती बड़ी है लेकिन हमें मिलकर अपने संकल्प, हौसले और तैयारी के साथ इसको पार करना है.

कोरोना के खिलाफ देश आज फिर एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रहा है. कुछ सप्ताह पहले तक स्थितियां संभली हुई थीं, फिर कोरोना की दूसरी वेव तूफान बनकर आ गई है. जो पीड़ा आपने सही है, जो पीड़ा आप सह रहे हैं, उसका मुझे पूरा एहसास है. पीएम मोदी ने कहा कि मैंने फार्मा सेक्टर के लोगों से बात की. भारी मात्रा में देश में दवाइयां बनाई जा रही हैं. दवाई का प्रोडक्शन बढ़ा है, इसे और तेज़ किया जा रहा है. इसमें प्राइवेट सेक्टर ने टीम एफर्ट दिखाया है. टीकाकरण अभियान में इस बात पर जोर दिया गया कि ज्यादा से ज्यादा लोगों का टीकाकरण हो. हमनें पूरी दुनिया में सबसे तेजी से वैक्सीन लगाने का काम किया है. कल ही वैक्सीन को लेकर एक अहम फैसला लिया गया है. 18 वर्ष के ऊपर के सभी लोगों को 1 मई से वैक्सीन लगेगी. पीएम ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में पहले की ही तरह मुफ्त वैक्सीन मिलती रहेगी, ताकि देश के गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों को फायदा हो. मोदी ने कहा कि जान बचाने के साथ-साथ हमारा यह भी प्रयास है कि आर्थिक गतिविधियां भी चलती रहें. 18 साल से ऊपर के लोगों को वैक्सीन देने का हमारा उद्देश्य यही है कि ज्यादा से ज्यादा युवा वर्कफोर्स का वैक्सीनेशन हो जाए.

ऑक्सीजन के लिए इंडस्ट्री इंतजार कर सकती है, लेकिन मरीज नहीं: कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में जारी कोरोना संक्रमण के बीच अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी एक गंभीर मसला है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित कई शहरों के कई अस्पतालों को ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इसी से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को फटकार लगाई है।

कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मरीजों को ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं की जा रही है। कोर्ट ने केन्द्र सरकार से सवाल किया कि क्या उद्योगों की ऑक्सीजन आपूर्ति कम करके उसे वह मरीजों को मुहैया करा सकती है। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ ने केन्द्र सरकार से कहा कि उद्योग इंतजार कर सकते हैं।

मरीज नहीं। मानव जीवन खतरे में है। पीठ ने कहा कि उसने सुना है कि गंगा राम अस्पताल के डॉक्टरों को मजबूरी में कोविड-19 के मरीजों को दिया जाने वाला ऑक्सीजन कम करना पड़ रहा है क्योंकि वहां जीवन रक्षक गैस की कमी है। अदालत ने केन्द्र सरकार की अधिवक्ता मोनिका अरोड़ा से सवाल किया, ऐसे कौन से उद्योग हैं जिनकी ऑक्सीजन आपूर्ति कम नहीं की जा सकती है? वहीं पीठ ने अरोड़ा से यह जानकारी देने को भी कहा कि कोविड-19 के मरीजों के लिए ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति के लिए क्या-क्या किया जा सकता है। यह निर्देश देने के साथ ही अदालत ने लंच के बाद फिर से सुनवाई की बात कही। आपको बता दें कि कोर्ट में 19 अप्रैल को कोविड-19 के संबंध में दायर एक याचिका पर सुनवाई हो रही थी, उसी के संदर्भ में उसने यह निर्देश दिए गए।

ऑक्सीजन के टैंकर के लिए बना ग्रीन कॉरिडोर- उत्तर प्रदेश और हरियाणा सीमा से बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार में स्थित कोविड अस्पताल में 19,500 लीटर तरल ऑक्सीजन ले जा रहे दो टैंकरों के लिए दिल्ली पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाया। अधिकारियों ने बताया कि इन टैंकरों को श्री एक्शन बालाजी अस्पताल में आवश्यक रूप से पहुंचना था क्योंकि अस्पताल में उपलब्ध ऑक्सीजन की बहुत कमी हो गई थी लेकिन ये टैंकर यातायात जाम में फंस गए। उन्होंने बताया कि इस बाबत पुलिस को सोमवार रात करीब साढे ग्यारह बजे सूचना मिली और टैंकरों को सुगम तरीके से गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के लिए मौके पर तत्काल ही दल भेजे गए। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनील समबिल ने दिल्ली पुलिस के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में ऑक्सीजन का स्तर बहुत ही कम हो चुका था और तरल ऑक्सीजन लेकर आ रहे वाहन यातायात जाम में फंस गए थे। हमने इस बारे में तुरंत ही पुलिस को सूचित किया और उन्होंने अपने दल वहां भेजे। उन्होंने ग्रीन कॉरिडोर बनाया जिसकी बदौलत दोनों वाहन समय पर आ पहुंचे।

सेना और डीआरडीओ के अस्पताल आम लोगों के लिए खोलने के आदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में बेकाबू हुई कोरोना वायरस की दूसरी लहर को देखते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख एमएम नरवणे, रक्षा सचिव और डीआरडीओ अध्यक्ष से कहा है कि वे सैन्य, कैंट और डीआरडीओ के अस्पतालों में आम नागरिकों को भी इलाज की सुविधाएं मुहैया कराएं। क्योंकि अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर और ऑक्सीजन की किल्लत हो गई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के सभी लोकल कमांडर्स को अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मिलकर उन्हें हर संभव मदद देने के लिए भी कहा है। इसी तरह रक्षा सचिव को आदेश दिया गया है कि वह कैंट बोर्ड के सारे अस्पतालों में आम नागरिकों का भी इलाज करें। बता दें कि देश में बेकाबू हुई कोरोना वायरस की दूसरी लहर का कहर जारी है। प्रतिदिन कोविड से मरने वालों की संख्या में भारी बढ़ोतरी दहशत पैदा कर रही है। देश मंगलवार को कोरोना के नए मरीजों की संख्या में सोमवार की तुलना में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में 2.59 लाख से ज्यादा नए कोरोना मरीज मिले हैं। वहीं इस दौरान 1,761 लोगों की संक्रमण से जान चली गई है।

छत्तीसगढ़ लौटने को तैयार लाखों प्रवासी मजदूर, राज्य सरकार हर प्रवासी की कराएगी जांच

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में बेकाबू होते जा रहे कोरोना वायरस के कारण कई राज्यों में लॉकडाउन लागू करने से प्रवासी मजदूरों को डर सताने लगा है। जब दिल्ली समेत कुछ राज्यों में लॉकडाउन लागू कर दिया है तो ऐसे म मजदूरों का पलायन शुरू होता नजर आ रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न राज्यों से ढाई लाख से ज्यादा प्रवासी मजदूर अपने घरों को लौटने लगे हैं और तैयारी कर चुके हैं। ऐसे में राज्य सरकार भी राज्यों में आने वाले प्रवासियों की जांच कराने के लिए अपनी तैयारी कर चुकी है।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि ढाई लाख प्रवासी मजदूरों के छत्तीसगढ़ आने की उम्मीद है और अब तक करीब ढाई हजार मजदूर राज्य में आ चुके हैं। राज्य में प्रवासी मजदूरों से राज्य में संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए उनकी जांच कराई जा रही है। कोरोना के इस दौर में अगर कोविड पॉजिटिव होता है तो इसके बाद उन्हें आइसोलेशन सेंटर में शिफ्ट किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी कोरोना संक्रमित हुए, ट्वीट कर दी जानकारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल चुनावों में रैलियों को संबोधित करने के कार्यक्रम रद्द करने का ऐलान करने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने खुद ट्वीट करके यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोविड के लक्षण दिखने के बाद उन्होंने टेस्ट कराया था, जिसके बाद रिपोर्ट पॉजिटिव आई। राहुल गांधी ने ट्वीट में लिखा कि मुझे कोरोना के शुरुआती लक्षण नजर आए थे। इसके बाद टेस्ट कराया तो संक्रमित होने की जानकारी मिली। राहुल गांधी ने कहा, पिछले कुछ दिनों के दौरान मेरे संपर्क में आने वाले लोगों से मैं अपील करता हूं कि वे सभी सेफ्टी प्रोटोकॉल्स का पालन करें और सुरक्षित रहें।

टीकाकरण रणनीति भेदभाव वाली: राहुल

मंगलवार को टीकाकरण को लेकर राहुल गंधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार की टीकाकरण की रणनीति भेदभाव वाली है और उसने कमजोर वर्गों के लिए टीके की कोई गारंटी नहीं दी है। उन्होंने ट्वीट किया कि 18 से 45 साल के आयुवर्ग के लोगों के लिए कोई मुफ्त नहीं टीका नहीं होगा। कीमतों पर नियंत्रण किए बिना बिचौलियों

को ला दिया गया है। कमजोर वर्गों के लिए टीके की कोई गारंटी नहीं है। वहीं कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने भी केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार ने टीके की कीमत के बारे में निर्णय कंपनियों पर छोड़ दिया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पिछले एक साल में कोरोना टैक्स के नाम पर जनता से खूब हुई लुटाई, पर न अस्पताल, न डॉक्टर, न वेंटिलेटर, न वैक्सीन और न दवाई उपलब्ध करवाई और न ही 6,000 की राशि खाते में जमा कराई। हां, कोरोना के नाम पर विज्ञापन और तस्वीरें छपवाई।

सिब्बल ने पीएम से किया सवाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जनसभाओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और सवाल किया कि वह जितना जुनून चुनाव जीतने में दिखा रहे हैं उतना कोरोना वायरस के खिलाफ युद्ध जीतने में क्यों नहीं दिखा रहे हैं। सिब्बल ने ट्वीट किया कि मोदी जी, आप चुनाव जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं। यही जुनून कोरोना वायरस के खिलाफ युद्ध जीतने में क्यों नहीं दिखता?